नशा मुक्त भारत अभियान

नदी में एक कंबल जैसा कुछ बहता दिखा। तट पर खड़े साधुओं में से एक ने उसे पकड़ने के लिए छलांग लगा दी।जब पास पहुँचा, तब पता चला — वह तो रीछ था! रीछ ने साधु को जकड़ लिया। वह छोड़ना चाहता था, पर अब कंबल ही उसे नहीं छोड़ रहा था।किनारे से एक साधु चिल्लाया — "कंबल छोड़ दो!" डूबते हुए उसने उत्तर दिया —"मैं तो छोड़ना चाहता हूँ, पर अब ये ही मुझे नहीं छोड़ रहा।"

सीख:

शुरुआत में हम दुर्व्यसनों को पकड़ते हैं, कुछ ही समय बाद दुर्व्यसन हमें जकड़ लेते हैं। छुटकारा पाना मुश्किल हो जाता है, और जीवन डूबने-उतराने लगता है।

दिनांक **21/08/2025** को Counsellor Aman ने **CR 1** मे 1ST **year B.Tech** के छात्रों को किस तरह से नशा आपका युवा को बर्बादी के लाइन पर लेकर के आ गया है युवाओं का वर्तमान समय में देखने में आता है कि सेल्फ कंट्रोल बहुत काम बचा है युवाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए नशे से हमेशा से हमेशा के लिए दूर रहने के लिए अवगत कराया नशे से होने वाले दुष्परिणामों के विषय में विस्तार से बताया युवाओं को जागरूक किया जीवन में कभी भी किसी भी प्रकार का नशा ना करें] जिस परिवार का नौजवान जब नशे के परिवेश में आ जाता है उस परिवार का संभालना मुमकिन ही नहीं पूरी तरह से नामुमकिन हो जाता है , किस तरह से सामाजिक पारिवारिक आर्थिक और शैक्षणिक स्तर पर भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है एक शपथ के द्वारा युवाओं को अपने कर्तव्य के प्रति अपने स्वास्थ्य के प्रति अपने परिवार के प्रति और अपने राष्ट्र और शिक्षण संस्था के प्रति हमेशा ईमानदार रहने की प्रेरणा दी.

छात्रों को प्रेरित किया। जिसमे **82** छात्र उप्स्तिथ रहे और साथ मे Prof.Dr.Vineet Sharma उप्स्थित रहे , ।